



SHRI NEK RAM SHARMA

Shri Nek Ram Sharma is a farmer and activist associated with 'Nirog Yatra', an informal group that is spreading the message of good farming and good health among the farmers and consumers within Himachal Pradesh.

2. Born on 1st May, 1964 in village Nanj of Mandi District, Himachal Pradesh, Shri Nek Ram after finishing High School in 1983, decided to focus on the family profession of agriculture on his family farm. He pioneered the commercial cultivation of vegetables and angora rabbit farming in the Karsog Sub-Division. However, when he realised the decline in productivity despite increasing application of chemical inputs, he turned to chemical free farming. He started visiting farmers in nearby villages to motivate them to take up chemical free farming and the adoption of traditional seed varieties.

3. Shri Nek Ram also noticed that the households of the Panchayat were facing a severe scarcity of fodder as a result of degradation of the common lands surrounding the villages. Women of these villages had to visit faraway grasslands for grass. He mobilised the local mahila mandals in 20 villages to help community institutions ensure successful eco-restoration and availability of fodder and grass. Thereafter, he assisted Forest Department to mobilise and train mahila mandals across the Karsog and Gohar Forest Divisions to help them manage their forest resources for better productivity and ecological stability. He has, for the past 20 years, relentlessly promoted re-introduction of bio-diversity in farms and on platters to include traditional grains, oilseeds and pulses, a mission that has touched thousands of people. When a large and ecologically devastating hydro-electricity project with 11 m wide and 38 Km long twin-tunnels was planned to be set up in a fragile region along the Satluj river, Shri Nek Ram with other likeminded people of the area got this ill-planned project stopped.

4. Shri Nek Ram's mission to promote traditional food crops and chemical-free agriculture took wings after he was associated with the Millet Network of India in the year 2011. He has motivated peoples' groups in hundreds of villages in the state to re-introduce cultivation of millets and other nutritious traditional crops. For years, he has participated in local and international level fairs, spreading this message of going back to our roots vis-a-vis farming and lifestyle habits. Now he is helping local women's groups to set up stalls at fairs to serve millet based nourishing food. He is also supporting many farmer's groups by providing natural farming related inputs via internet.

5. Shri Nek Ram's life-long mission has taken the shape of Nirog Yatra, an informal association that is connecting with farmers and consumers so that the message of ecological farming, good health and possibility an alternate economic paradigm can be passed on for the benefit of the future generations.



श्री नेक राम शर्मा

श्री नेक राम शर्मा, 'निरोग यात्रा', एक अनौपचारिक समूह, जो हिमाचल प्रदेश के किसानों और उपभोक्ताओं के बीच बेहतर खेती और सुस्वास्थ्य के संदेश का प्रचार-प्रसार कर रहा है, से जुड़े एक किसान और कार्यकर्ता हैं।

2. 1 मई, 1964 को हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के गांव नांज में जन्मे, श्री नेक राम ने 1983 में हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद, अपने पारिवारिक पेशे खेती पर ध्यान देने का फैसला किया। उन्होंने करसोग सब-डिवीजन में सब्जियों की व्यावसायिक खेती और अंगोरा खरगोश पालन का बीड़ा उठाया। उन्होंने महसूस किया कि रासायनिक तत्वों का प्रयोग करने से पैदावार में गिरावट आ रही है, इसलिए उन्होंने रसायन मुक्त खेती की ओर रुख किया। वह आस-पास के गांवों में जाकर किसानों को रसायन मुक्त खेती करने और बीज की पारंपरिक किस्में अपनाने के लिए प्रेरित करने लगे।

3. श्री नेक राम ने यह भी गौर किया कि गांवों के आसपास की पंचायती भूमि के क्षरण के कारण ग्रामीण परिवारों को चारे की विकट कमी का सामना करना पड़ रहा है। इन गांवों की महिलाओं को घास के लिए दूर-दराज के चरागाहों में जाना पड़ता था। उन्होंने सामुदायिक संस्थाओं की सहायता के लिए 20 गांवों में स्थानीय महिला मंडल संगठित किए जिससे वे पर्यावरण स्वच्छता तथा चारा और घास की उपलब्धता सुनिश्चित कर सकें। इसके बाद, उन्होंने करसोग और गोहर वन प्रभागों में, बेहतर उत्पादकता और पारिस्थितिक स्थिरता के लिए वन संसाधनों का प्रबंधन करने के लिए महिला मंडल संगठित और प्रशिक्षित करने में वन विभाग की मदद की। उन्होंने पिछले 20 वर्ष से लगातार खेतों की जैव-विविधता और खाने में पारंपरिक अनाज, तिलहन और दालें दोबारा शामिल करने को बढ़ावा दिया है। उनके इस मिशन से हजारों लोगों को फायदा हुआ है। जब सतलुज नदी के संवेदनशील क्षेत्र में 11 मीटर चौड़ी और 38 किलोमीटर लंबी दो सुरंगों वाली एक विशाल और पारिस्थितिक रूप से विनाशकारी पनबिजली परियोजना स्थापित करने की योजना बनाई गई, तो श्री नेक राम ने समान विचारधारा वाले लोगों के साथ मिलकर गलत ढंग से नियोजित यह परियोजना रुकवा दी।

4. वर्ष 2011 में मिलेट नेटवर्क ऑफ इंडिया से जुड़ने के बाद, पारंपरिक खाद्य फसलों और रसायन मुक्त कृषि को बढ़ावा देने का श्री नेक राम का मिशन तेजी से अग्रसर हुआ। उन्होंने मिलेट और अन्य पौष्टिक पारंपरिक फसलों की खेती दोबारा शुरू करने के लिए राज्य के सैकड़ों गांवों के लोगों के समूहों को प्रेरित किया। वर्षों तक, वह स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मेलों में भाग लेते रहे हैं, तथा खेती और जीवन शैली से जुड़ी परंपराओं को दोबारा अपनाने का संदेश फैलाते रहते हैं। अब वह स्थानीय महिला समूहों को मेलों में स्टॉल लगाकर मिलेट आधारित पौष्टिक भोजन परोसने में मदद कर रहे हैं। वह इंटरनेट के माध्यम से प्राकृतिक खेती बारे में जानकारी देकर कई किसान समूहों की मदद भी कर रहे हैं।

5. श्री नेक राम के आजीवन मिशन ने एक अनौपचारिक संगठन 'निरोग यात्रा' का रूप ले लिया है, जो पारिस्थितिक खेती, सुस्वास्थ्य और नए आर्थिक विकल्प का संदेश भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए किसानों और उपभोक्ताओं से जुड़ रहा है।